

आओ चलें सम्पूरणता की ओर

01 / 11 / 14 की मुरली से

● स्वमान :-

✓ मैं तीव्र पुरुषार्थी हूँ ।

● गुण / धारणा / अभ्यास पर अटेंशन :-

✓ हिम्मत और उमंग उत्साह

● बाबा से सम्बन्ध का अनुभव :-

✓ टीचर

● मनन चिंतन :-

✓ हिम्मत और उमंग उत्साह के पंख हमें किस तरह से उड़ती कला में उड़ने में मदद करते हैं ?

@ शिवभगवानुवाच :-

→_→ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

● होमवर्क :-

- Total Marks :- 50 -

- पॉइंट 1 To 7 के 5 मार्क्स हैं -

- पॉइंट 8 के 15 मार्क्स हैं -

- (1) किसी भी बात का मिथ्या अहंकार तो नहीं किया ?
- (2) मनसा वाचा कर्मणा अपनी संभाल की ?
- (3) आँखों ने धोखा तो नहीं दिया ?
- (4) बाप की आज्ञा अनुसार हर कार्य किया ?
- (5) इच्छा मातरम् अविद्या की अवस्था रही ?
- (6) झरमुई झगमुई तो नहीं की ?
- (7) अनतर्मुखी होकर रहे ?

@ बापदादा (12/10/2014) :-

→_→ बस मेरा बाबा । मेरा वैसे तो कोई भूलता नहीं है ।
तो मेरा बाबा और बाबा का वर्सा यह याद आने से सदा
खुश रहेंगे ।

(8) मेरा बाबा और बाबा का वर्सा याद कर खुशी में रहे ?

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में
सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के
माक्स ज़रूर दें ।

● मनन चिंतन :-

✓ हिम्मत और उमंग उत्साह के पंख हमें किस तरह से उड़ती कला में उड़ने में मदद करते हैं ?

- इससे स्वयम पर नज़र रहती है के कोई उलटी चलन तो नहीं चल रहे।
- इससे श्रीमत का उल्लंघन करने से बचते है।
- इससे मनसा वाचा कर्मणा की संभाल रहती है।
- इससे आँखों से धोखा न खाते पद्मों की कमाई जमा कर सकते है।
- इससे अंतर्मुखी बन बेहद के बाप की याद से विकर्म विनाश होते है।
- श्रीमत की सम्पूर्ण पालना से रूहानी सर्विस से सदैव जुड़े रहते है।
- इससे ध्यान दीदार की इच्छा न रखते इच्छा मातरम अविधा बनकर रहते है।
- बेहद के बाप की याद में रहते ज्ञान मंथन कर परचिंतन से दूर रहते है।
- इससे थकावट महसूस न करते सदैव सफलता प्राप्ति का वरदान प्राप्त करते है।

ॐ शान्ति ।